

नव भारत जागृति केन्द्र सूचनापत्र

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA Newsletter

Putting the Last First.....



अप्रैल-जून, 2017

www.nbjk.org

April - June, 2017

15 गांवों हेतु एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम

एचडीएफसी बैंक के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व सहायता से न० मा० जा० केन्द्र ने झारखण्ड के कोडरमा जिला में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम की शुरुआत किया है. अक्टूबर 2016 से प्रारम्भ इस कार्यक्रम के तहत कोडरमा सदर और जयनगर प्रखंडों के 15 गांवों में 2656 लाभुक परिवार शामिल हैं. सम्बंधित परियोजना तीन वर्षों के लिए है और चयनित गांवों में पर्यावरण सम्पोषण के साथ खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, स्वच्छता, स्तरीय शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत विकास का लक्ष्य रखा गया है. इसके माध्यम से इन गांवों हेतु कृषि/गैर-कृषि क्षेत्रों में उपयुक्त तकनीक द्वारा आजीविका प्रोत्साहन, स्कूली शिक्षा स्तर में सुधार, विद्यालय में नामांकन-ठहराव, सफाई-स्वच्छता और सौर ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है.

ए० ग्रा० वि० कार्यक्रम अंतर्गत 15 गांवों के 15 विद्यालयों में पुस्तकालय की स्थापना हुई है और प्रत्येक पुस्तकालय में 50 हजार रु० मूल्य की 800 से अधिक गुणवत्तापूर्ण किताबें उपलब्ध हैं. इन विद्यालयों में बच्चों हेतु दैनिक पुस्तकालय कक्षा लगती है और 3000 से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है. साबुन से हाथ धोने और स्वच्छता पर आयोजित सत्रों में 3321 बच्चे सहभागी बने हैं. इन्हें विद्यालय में बाल संसद की भूमिका और जिम्मेवारी से भी अवगत कराया गया है. इस कार्यक्रम के तहत परियोजना गांवों में 18 विद्यालय प्रबंधन समितियों को सक्रिय बनाया गया है, उनकी बैठकों को नियमित करने का प्रयास हुआ है और शिक्षा विभाग के प्रखंड-जिला स्तरीय अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों सहित अन्य साझीदारों के साथ कार्यशाला, बैठक आयोजित कर क्षेत्र में स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है. अंगरेजी, गणित और विज्ञान जैसे विषयों में ग्रामीण विद्यार्थियों की कमजोरी देखते हुए 14 गांवों के लिए 13 सक्षम शिक्षकों की बहाली भी हुई है, जो इन गांवों में रेमेडियल कोचिंग केन्द्र संचालित कर 434 कमजोर और निर्धन स्कूली बच्चों को पढ़ाई में सहयोग करते हैं. दो विद्यालयों का जीर्णोद्धार कर उन्हें चारदिवारी, मुख्य द्वार, फर्श, शौचालय में टाइल्स और पेयजल सुविधाओं से लैस किया गया है, जबकि 15 विद्यालयों में कक्षाओं को ज्ञानवर्धक रंगीन चित्रों से सजाकर आकर्षक और बालमित्रवत बनाया गया है.

इस कार्यक्रम के सौजन्य से 6 गांवों में 7 तालाबों से गाद निकासी कर उनका पुनरुद्धार किया गया और 601 किसान परिवारों को बेहतर सिंचाई सुविधा हासिल हुई है. 15 गांवों में 128 हैंडपंप मरम्मत कर ग्रामीणों हेतु पेयजल सुविधा बहाली का बड़ा काम हुआ है. सिंचाई सुविधा उपलब्धता हेतु अन्य स्थलों की पहचान करने के साथ किसानों को आधुनिक खेती का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है. ए० ग्रा० वि० कार्यक्रम द्वारा 4 गांवों में 135 शौचालयों का जीर्णोद्धार कर उन्हें टाइल्स-बुनियादी सुविधाओं से युक्त किया गया है, जबकि पहड़ीडीह गांव में 5 मॉडल शौचालय बनाकर "खुले में शौच से मुक्ति" का प्रयास हुआ है. पूर्व में इसी कार्य हेतु आर्बिट्रल स्वच्छ भारत मिशन की राशि लौटाने का प्रयास ग्रामीणों ने किया है ताकि तालमेल और पारदर्शिता बनी रहे.

एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम की ओर से सभी 15 गांवों की गलियों में 108 सोलर लाइट लगाए गये हैं ताकि प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और प्रदूषण रहित ऊर्जा उपयोग का रास्ता खुले. इन्हीं गांवों में लगभग 500 महिलाओं को प्रोत्साहित कर 50 स्वमदद समूहों का गठन किया गया है और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि भविष्य में उन समूहों को संस्थागत ऋण सुविधा से जोड़ा जा सके. ग्रामीण परिवेश में स्वास्थ्य चेतना गतिविधियों से लोगों में जागरूकता आयी है. इसी क्रम में संस्था द्वारा संचालित लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग) के सहयोग से कोडरमा सदर और जयनगर प्रखंडों में नेत्र जांच शिविर लगाकर 295 लोगों की आँख जांच और 52 व्यक्तियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन होने से क्षेत्र में अच्छा संदेश गया है.

Holistic Rural Development Program for 15 Villages

With support under CSR initiative of HDFC Bank, NBK has launched a Holistic Rural Development Program (HRDP) for 15 villages of Koderma district. This was initiated in October 2016 with coverage of 2656 households from 15 villages in Koderma Sadar and Jainagar blocks of the district. The project is for three years and it goals to strengthen integrated development of the villages to secure food, health care, sanitation and quality education with environmental sustainability. This is to promote different means of livelihood by adopting appropriate technology in farm/non-farm sectors, improve quality of education, enrollment and retention of children in government schools, improve sanitation & hygiene and to introduce renewable solar energy in villages.



Through HRDP, Libraries have been established in 15 schools of 15 villages and 800 plus quality books provided to each library. Each school library has books worth Rs. 50,000, the schools devote 1 hour library period daily for each class and benefitting more than 3000 children. There are Awareness sessions with 3321 school children on hand washing practice and importance of sanitation. Also they got orientation upon roles & responsibilities of Baal Sansad. The program has activated School Management Committees of 16 schools in 15 villages, tried to regularize their meetings and workshop/meeting held with stakeholders including

district/block level officers of education department. 14 villages have been provided 13 competent teachers of Science, Maths & English at Remedial Coaching Centers for 434 weak & poor school students. 2 schools have been renovated with boundary wall, main gate, flooring, tiles in toilets, running water etc. while wall painting & pictorial decoration for Child friendly class rooms took place in 15 schools of 15 villages.

HRDP has ensured renovation & de-silting of 7 Ponds in 6 villages that provided better irrigation facility for 601 farmers. Also 128 hand pumps repaired in 15 villages for safe drinking water. Repair and construction points for irrigation facilities have been identified and farmers are being trained in advance cultivation. This achieved renovation of 135 toilets with tiles & other basic amenities in 4 villages and construction of 5 new model toilets took place in village Pahridih to make it ODF. The process began to refund Swachh Bharat Mission contribution there for convergence purpose.

HRDP has ensured installation of 108 Solar Street Light in 15 villages for promotion of green energy and natural resource management. Also this facilitated 50 SHGs with 500 women to get institutional credit in future. There is a health awareness campaign in villages and two eye checkup camps were held at Koderma and Jainagar that catered 295 patients from 15 villages and 52 identified cataract patients got surgery at LNJP eye hospital, Bahera (Chouparan).

पधार अजब सिंह

20-21 अप्रैल, हजारीबाग: फिल्म 'अजब सिंह की गजब कहानी' में प्रमुख किरदार निभाने वाले अभिनेता और भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह का आगमन न० भा० जा० केन्द्र में हुआ। श्री सिंह अपनी फिल्म को बढ़ावा देने के सिलसिले में हजारीबाग आए हुए थे। इन्होंने संस्थाकर्मियों से यह बायोपिक सिनेमा देखने का आग्रह किया, जो अपनी शारीरिक, सामाजिक-आर्थिक कमजोरियों के खिलाफ अजय सिंह की सच्ची लड़ाई का चित्रण करता है। बेहद गरीब किसान परिवार में जन्मे श्री सिंह बचपन में ही दुर्घटनावश बधिरान्धता का शिकार बन गए थे और इनका सही इलाज नहीं हो सका। लेकिन प्रतिभा और माता-पिता के सपनों को पूरा करने की लगन ने इनकी जिन्दगी के कैनवास पर कैसे-कैसे चित्र बनाए, श्री ऋषि प्रकाश मिश्र के निर्देशन में बनी फिल्म 'अजब सिंह की गजब कहानी' के माध्यम से यही दिखलाने का प्रयास किया गया है। भारतीय सिनेमा के इतिहास में यह पहली घटना है, जब किसी व्यक्ति विशेष के जीवन पर बनी फिल्म में खुद वही व्यक्ति मुख्य अभिनेता भी बना हो। यह फिल्म 21 अप्रैल को पूरे देश में रिलीज हुई और इसी दिन न० भा० जा० केन्द्र के कार्यक्रमकर्त्ताओं-परिजनों को भी हजारीबाग स्थित लक्ष्मी सिनेमा हॉल में इसे देखने का मौका मिला। अधिकांश दर्शकों ने एक बधिरान्ध ग्रामीण बालक से सत्यनिष्ठ उच्चाधिकारी बनने की संघर्षमय गाथा की सराहना किया।



Ajab Singh at NBJK

20-21 April, Hazaribag: Mr. Ajay Kumar Singh, an IRS officer and the main character of the film "Ajab Singh Ki Gazab Kahani" has paid a promotional visit at NBJK office on 20th April. He has addressed a meeting with the team NBJK and appealed all to watch the movie that depicted his life story against all the physical and socio-economic odds.

Mr. Singh was born in an extremely poor farmer's family and became partially deafblind due to an accident during his childhood. His parents couldn't afford proper medical treatment in time. But Mr. Singh's genius and his deep commitment to the dream of parents has opened new pages of life that he wanted to share through this biopic directed by Mr. Rishi Prakash Mishra. This is first time in Indian Cinema's history that the same person has played his own role based on his real life events. The Hindi movie "Ajab Singh Ki Gazab Kahani" was released on 21st April nationwide and featured Ajay K. Singh himself as Ajab Singh. Music is contributed by Tanmay Pahwa and Ved Sharma. NBJK staffs have watched the movie at Laxmi Cinema Hall, Hazaribag. They appreciated an unconventional journey of a Handicapped IRS officer.

दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम की गतिविधिया

मई, हजारीबाग-गिरिडीह-कोडरमा-गया-नवादा: एवीआइ-बीएलएफ, यूके की मदद से संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत में अनेक गतिविधियाँ आयोजित हुईं। 21 पंचायत स्तरीय मीडिया एडवोकेसी बैठकों के दौरान दिव्यांगता प्रमाणपत्र, पेंशन, सहायक उपकरण, निर्धनता नामांकन, आवास-रोजगार-खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी सरकारी योजनाओं से जुड़ाव पर चर्चा में लगभग 1600 लोगों की प्रतिभागिता रही, जिनमें दिव्यांगों के अलावा पंचायती राज प्रतिनिधि, मुखिया, सरपंच, रोजगार सेवक, आंगनवाड़ी सेविका, जल सहाया, वार्ड सदस्य और अन्य सामुदायिक नेतृत्वकर्ता शामिल थे। डोभी (गया), चंदवारा (कोडरमा), हिसुआ (नवादा) में आयोजित प्रखंड स्तरीय ऐसी बैठकों में सम्बन्धित बीडीओ, सीओ, मेडिकल ऑफिसर, पंचायती राज प्रतिनिधिगण के साथ 222 लोगों की सहभागिता रही और आवश्यक सेवा निष्पादन हेतु आधार कार्ड-बैंक लिंकेज पर विमर्श हुआ। दिव्यांगजन संगठनों के 19 प्रखंड स्तरीय बैठकों में उनके निबंधन, कार्यालय स्थल, दिव्यांगता प्रमाणपत्र, स्वमद समूह-व्यावसायिक प्रशिक्षण-सरकारी योजना से जुड़ाव, ट्राईसाइकिल मरम्मत अभियान जैसे बिन्दुओं पर विचार किया गया। बोधगया में 2 दिव्यांगों को बर्दगिरि, साइकिल मरम्मत प्रशिक्षण देने के बाद सम्बन्धित औजार किट दिये गए। जबकि गिरिडीह सदर में 2 दिव्यांग महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़ा गया। इस माह में 21 दिव्यांगों के ट्राईसाइकिलों की मरम्मत, 28 दिव्यांग स्वमद समूहों को बचत बक्सों के साथ आवश्यक दस्तावेज/पासबुक उपलब्धता, 30 दिव्यांगों के बीच कुल 1 लाख 70 हजार रु० का ऋण वितरण, दिव्यांगजन संगठनों के लिए दिव्यांग अधिकारिता कानून 2016 पर प्रशिक्षण और दिव्यांगता प्रमाणपत्र मुद्दे पर सिविल सर्जन, गिरिडीह से चर्चा हुई।



Activites under Disability Rights Program

May, Hazaribag-Giridih-Koderma-Gaya-Nawada: In the month of May, a number of activities took place under Disability Rights program with support of AVI - BLF, UK. There were 21 panchayat level media advocacy meetings in 5 districts with more than 1600 people on issues of certification, pension, aids & appliances, BPL enlisting and inclusion with Govt. schemes on housing/job/food security etc. with PRI member, Mukhiya, Sarpanch, Rojgar Sewak, Anganwadi Sewika, Jal Sahiya, Ward Member and other community leaders. Also 3 block level advocacy meetings held at Dobhi, Chandwara and Hisua with 222 participants along with BDO, CO, BMO, PRI members and others. They focused upon Adhar Card-Bank linkage for service delivery. 19 block level meetings of DPOs have discussed regarding registration, DSHGs linkage, certification, vocational training, office venue, Govt. Schemes, Tricycle repair campaign etc. In Bodhgaya block, 2 PwDs were provided tool kits for carpentry and bicycle repair works after training while 2 female PwDs were linked to Rozgar Training Center at Giridih for short term vocational courses. 21 PwDs have been supported in 4 districts (except Koderma) with their Tricycle repair. 28 DSHGs have been provided with saving box & necessary documents/pass book etc. while 30 PwDs got Micro-credit support worth Rs. 1 lac 70 thousand. At Giridih, a representation of PwDs have demanded for smooth certification. A training on the new PwD Act 2016 enabled DPO members a fresh hand over the law.

झारखण्ड में शराब मुक्ति यात्रा

4-11 जून, झारखण्ड: झारखण्ड प्रदेश लोक समिति, न० भा० जा० केन्द्र और सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शराब मुक्ति यात्रा हजारीबाग से शुरू होकर कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, जामताड़ा, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, सराइकेला, चाईबासा, खूँटी, लोहरदगा और गुमला होते हुए रांची में समाप्त हुई। लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने इसका नेतृत्व किया और यात्रा टीम में लोक समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री कौशल गणेश आजाद, बिहार प्रदेश महामंत्री श्री शिवजी सिंह के साथ बिहार-झारखण्ड प्रदेश लोक समितियों और न० भा० जा० केन्द्र की ओर से सर्वश्री श्रीमती क्रांति रासोश, मानती वर्मा, पूनम भारती, श्याम कुँवर भारती, शंकर राणा, फिल्मन बाखला, सुजीत मिश्र, पारस महतो, विनय भट्ट, राजीव सिंह, सौदागर, डॉ० उमेश, लोक कलाकार मेघनाथ व उनके साथीगण शामिल थे। लोक समिति की जिला इकाइयों और स्थानीय स्वैच्छिक संस्थाएं इस यात्रा में सहयोग कर रही थीं। हरेक पड़ाव पर सम्मेलन/बैठक, नुक्कड़ नाटक, प्रेस वार्ता, पत्र वितरण जैसी गतिविधियाँ आयोजित हुईं। 11 जून को रांची में आयोजित शराब मुक्ति सम्मेलन के दौरान श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि हमें उम्मीद से अधिक जनसमर्थन मिला है और ज्यादातर

Sharab Mukti Yatra Across Jharkhand

4 -11 June, Jharkhand: Jharkhand State Lok Samiti, NBJK and partner organizations have launched a state level Sharab Mukti Yatra (Journey for Liberation from Liquor) or SMY from Hazaribagh under leadership of Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti). Messrs Kaushal Ganesh Azad, Shivjee Singh, Shyam Kunwar Bharti, Shankar Rana, Filman Bakhla, Sujit Mishra, Paras Mahto, Vinay Bhatta, Rajiv Singh, Saudagar, Kranti Rasosh, Manti Verma, Punam Bharti, Dr. Umesh, Meghnath & group (Folk Artists) were other members of this travelling team. This began with an anti-liquor convention at Hazaribag, passed through Koderma, Giridih, Devghar, Dumka, Jamtada, Dhanbad, Bokaro, Jamshedpur, Saraikela-Kharswan, Chibasa, Khunti, Lohardaga, Gumla districts and concluded at Ranchi with demand for an anti liquor law in Jharkhand. There were meeting, street play, press conference, handbill distribution at each destination. SMY was responded warmly by the people and youth/women groups, PRI members have welcomed the caravan with much dedication. District Units of Lok Samiti and local VOs were supporting organs for this campaign. Mr. Girija Satish has said that since liquor serves disease, anti-



महिलाएं, पंचायती राज प्रतिनिधि और युवा शराब पर रोक चाहते हैं, इन्होंने राज्य में शराबबन्दी कानून की मांग करते हुए कहा कि हमारा संविधान राज्य को शराबबन्दी करने का निर्देश देता है और हमें उस नागरिक दायित्व का स्मरण कराता है, जो महिला विरोधी कुप्रथाओं के खिलाफ है. अपने अध्यक्षीय संबोधन में विकास भारती, बिशुनपुर (गुमला) के प्रमुख पदमश्री अशोक भगत ने शराब को भारतीय मानस के खिलाफ बताते हुए सदाचार-नैतिकता हेतु शराबबन्दी को जरूरी माना और कहा कि सामाजिक शक्तियों को जोड़ते हुए लोकमत जागरण के सहारे हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं.

बाल श्रम के खिलाफ अभियान

12-18 जून, चौपारण: चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से हजारीबाग जिला के चौपारण प्रखंड में संचालित चाइल्डलाइन 1098 उपकेंद्र की ओर से बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया. आठ दिनों के इस विशेष अभियान में प्रखण्ड विकास अधिकारी श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती सविता कुमारी और बाल कल्याण पुलिस अधिकारी श्री लालकेश्वर सिंह का काफी सहयोग रहा, जिन्होंने किसी संभावित कार्रवाई की स्थिति में अपनी भूमिका निभाने का आश्वासन दिया था. इस दौरान राजकीय मध्य विद्यालय, सिधरावा में बच्चों के बीच एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर उन्हें बाल श्रम की बुराइयों से परिचित कराया गया. बाल वि० परि० कार्यालय में आंगनवाडी सेविकाओं के साथ बैठक कर उन्हें बाल श्रम मामलों के प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया ताकि गाँव स्तर पर हस्तक्षेप हो सके. इस अभियान के तहत चाइल्डलाइन टीम द्वारा जीटी रोड और अन्य संपर्क सड़कों पर संचालित टाबा-होटल मालिकों से मिलकर उन्हें बाल श्रमिक रखने से मना किया गया. टीम सदस्यों ने जनसंपर्क करते हुए अनेक महत्वपूर्ण जगहों पर परचा वितरण कर लोगों को बाल श्रम विरोधी संदेशों से परिचित कराया. श्री वीरेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में श्रीमती पूनम कुमारी, श्रीमती माया मिश्र, श्री नारायण राजक और श्री नवरत्न पांडेय की टीम ने इस बाल श्रम विरोधी अभियान को अंजाम दिया था.



रांची मेयर ने सौपा रोजगार प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र

17 जून, रांची: रांची नगर निगम की मेयर श्रीमती आशा लकड़ा ने न० मा० जा० केन्द्र द्वारा पिरका मोड़, रांची में संचालित रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर/ हार्डवेयर, मोबाइल मरम्मत, टीसी, व्यूटिशियन, टेलरिंग आदि ट्रेड्स के तैमाही प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के बीच पाठ्यक्रम समाप्ति सम्बन्धी प्रमाणपत्र वितरण किया. इस अवसर पर संस्था सचिव श्री सतीश गिरिजा ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं का मनोबल बढ़ेगा रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती लकड़ा ने प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सीखे गए हुनर से उनका करियर बन सकता है और आत्मनिर्भरता आएगी. इसमें श्री आनन्द प्रकाश (कार्यक्रम प्रबंधक), श्री रणधीर कुमार (केन्द्र प्रभारी) और अन्य शिक्षकगण उपस्थित थे. श्री रणधीर ने बताया कि इस केन्द्र के माध्यम से अबतक 1000 से अधिक युवाओं को विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, उनकी नियोजन दर काफी ऊंची है और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का मौका मिला है. निवर्तमान बैच की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की वजह से यह मौका आकर्षक बन गया था. विदित हो कि एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से संचालित स्थायी आजीविका कार्यक्रम अंतर्गत झारखण्ड के 10 जिलों में 11 रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है.



देखभालकर्ता संघ गठन हेतु प्रशिक्षण

15-17 जून, हजारीबाग: केयरर्स वर्ल्डवाइड और कॉमनवेलथ फाउंडेशन, यूके की मदद से दिव्यांग, मानसिक रोगी, वृद्ध, असहाय परिवारों की देखभाल करने वाले लोगों के साथ संचालित देखभालकर्ता प्रोत्साहन कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय केयरर्स फेडरेशन गठन हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सदर, कटकमदाग, कटकमसांडी, इचाक, दारू, चौपारण प्रखंडों के 30 देखभालकर्ता प्रतिनिधि और कार्यकर्तागण शामिल हुए. प्रशिक्षण के दौरान संसाधन व्यक्ति सर्वश्री रामकृष्ण और नटेश ने फेडरेशन गठन की बुनियादी बातों और जनवकालत के मुद्दों पर प्रकाश डाला. इन्होंने स्वास्थ्य, सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता, दिव्यांगता प्रमाणपत्र, पेंशन, विद्यालय नामांकन, सहायक उपकरण, थिफ्रिस्ता तथा अन्य सुविधाओं हेतु संगठन को जरूरी बताया और कहा कि इस देखभालकर्ता संघ निर्माण का मुख्य उद्देश्य समाज-सरकार को ऐसे लोगों के साथ खड़ा करना है, जो आश्रितों की निःस्वार्थ देखभाल करते हैं. श्रीरामकृष्ण ने कहा कि इससे काम करने में आसानी होगी. विदित हो कि संस्था द्वारा हजारीबाग जिला में लगभग 1300 देखभालकर्ताओं के बीच 81 स्वमद समूहों के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है.



women crime, road accident only, it's ban should be viewed as a developmental issue. At Ranchi convention, Mr. Girija Satish thanked all the people for their unconditional support and referred to Indian constitution that directs the state to ban liquor and reminds citizens to oppose any anti-women custom prevailing in the society. Padmashri Mr. Ashok Bhagat (Head, Vikas Bharti) has presided over the function. He said that Liquor Ban will strengthen moral fabrics within our society and needs unity of social forces as well as mass awareness also.

Campaign against Child Labour

12-18 June, Chouparan: Childline India Foundation, Mumbai supported Childline1098 Sub-centre by NBJK at Chouparan has launched a week long campaign against Child Labour. Chouparan based government officers like Mr. Amit Kumar Shrivastava (Block Development Officer), Mrs. Savita Kumari (Child Development Project Officer) and Mr. Lalkeshwar Singh (Child Welfare Police Officer) have supported the campaign and discussed about their active roles during any operation if required. The campaign team has organized a quiz competition among children of Government Middle School, Singhrawan and promoted them against Child Labour. There was a meeting with Aanganwadi Sewikas at CDPO Office, Chouparan and they were sensitized towards intervention in the case of Child Labour. The Childline team has visited roadside dhaba-hotel operators and appealed them to shun recruiting children as daily wage labourer. Also they distributed thematic handbills at all important nook & corner around Chouparan and disseminated the message amid mass. Mr. Birendra Kumar Sinha (Team Leader) has led the campaign comprised with Mrs. Punam Kumari, Mrs. Maya Mishra, Mr. Narayan Rajak and Mr. Navratn Pandey (all team members).

Ranchi Mayor distributes Certificates among RTC Trainees

17 June, Ranchi: Mrs. Asha Lakra (Mayor, Ranchi) has distributed certificates among the trainees of Rojgar Training Center (RTC), Piska More - Ranchi after completion of their 3 months skill development training in the trades of Computer Software/Hardware, Mobile Repair, Tally, Beautician and Tailoring. She was the chief guest of this function held at RTC and accompanied by Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK), Mr. Anand Prakash (Program Manager), Mr. Randheer Kumar (Center In-charge) and faculties.

Mrs. Lakra has motivated the youths towards a sustainable future, they may carve with the skill learnt here and appreciated their effort for self-reliance. The passing out batch has performed with cultural programs also and made the event much attractive. On this occasion, Mr. Satish Girija has welcomed the chief guest and thanked her for encouraging the youths. Mr. Randheer Kumar (Center In-charge) has informed that RTC-Piska More has produced more than a thousand skilled youths with high placement ratio and supported them to lead lives with dignity. There were about 150 trainees gathered on the day and they have contributed to organize the day memorable. NBJK runs 11 RTCs at 10 districts of Jharkhand under the Program of Sustainable Livelihood with support of Axis Bank Foundation, Mumbai.

Training upon Carers Federation

15 - 17 June, Hazaribag: 3 days training for carers under their promotional program with support of Carers Worldwide, UK was held to outline a district level federation of Carers SHGs facilitated by NBJK in Hazaribag district. There were 30 carers/representatives and volunteers from Hazaribag Sadar, Katkamsaandi, Katkamsaandi, Ichak, Daroo and Chouparan blocks in the training. Mr. Ramakrishna and Mr. Natesh (Resource Persons) have discussed about basics of the federation and issues for advocacy. They talked about government schemes and their benefits. Disability certificates, pension, aids & appliances, treatment, school enrollment and other services can be propelled by such a body, they opined. Mr. Ramakrishna has said that the carers must get support from society and government for caring people and themselves. It's significant that NBJK works with about 1300 carers of physically/mentally challenged, old aged people and promoted 81 Carers' SHGs.

सर्वधर्म समभाव परिचर्चा और दावत-ए-इफ्तार

20 जून, हजारीबाग-दुमका: मुस्लिम धर्मावलम्बियों के लिए पवित्र रमजान के महीने में जिला लोक समिति, हजारीबाग और न० भा० जा० केन्द्र की ओर से सर्वधर्म समभाव विषय पर परिचर्चा और दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया था। परिचर्चा के दौरान विषय प्रवेश करते हुए संस्था अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने सनातन, इस्लाम, ईसाई, सिख, जैन धर्मों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सारे धार्मिक विश्वासों में ईश्वर की एकमेवता, दया, क्षमा, सदाचार, अहिंसा, हृदय की शुद्धता और महिलाओं के प्रति सम्मान जैसी बातें हैं जबकि जादू-टोना, शराब, जुआ और कुसंग का विरोध किया गया है ताकि एक मानवोचित समाज का निर्माण हो सके। इन्होंने धर्मों के नाम पर नफरत को गलत बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान सभी धर्मों का सम्मान करता है और हम नागरिकों का भी यही कर्तव्य है। श्री ललन प्रसाद ने ब्रिटिश काल की गुलामी को साम्प्रदायिकता का प्रमुख कारण मानते हुए राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया। सरदार जसवंत सिंह ने कहा कि धर्मों की लड़ाई अपने बर्चस्व की खातिर होती है, जबकि इनकी असली भूमिका इन्सानियत को ऊंचा उठाने में है। स्वरूप चंद जैन ने कहा कि "जियो और जीने दो" की भावना में ही सभी पंथों का सन्देश है। सर्वधर्म समभाव परिचर्चा को संबोधित करने वाले अन्य प्रमुख लोगों में सर्वश्री अर्जुन यादव, बटेश्वर मेहता, शमशेर आलम, अब्दुल मजीद अंसारी, गुलाम जिलानी, संतोष पांडेय शामिल थे। मंच संचालन और धन्यवाद ज्ञापन शंकर राणा ने किया, परिचर्चा के बाद आयोजित दावत-ए-इफ्तार में लगभग 200 रोजेदारों की शिरकत रही। 21 जून को दुमका में आयोजित ऐसे ही कार्यक्रम में चैम्बर ऑफ कॉमर्स, बार एसोसिएशन, प्रशासन एवं स्थानीय समुदाय के प्रमुख सदस्यगण शामिल हुए थे।



Symposium on Respect for All religions & Dawat-e-Iftar

20 June, Hazaribag-Dumka: A symposium on Respect for All Religions followed by Dawat-e-Iftar (Evening Dine for Rozedars during sacred month of Ramadan) was organized under joint auspices of NBJK and Hazaribag District Lok Samiti. The very theme of this symposium was introduced by Mr. Girija Satish (President, NBJK) who has placed main characteristics of Sanatan/Hindu, Islam, Christianity, Sikh and Jain sects. He said that all the faiths support oneness of the God, compassion, mercy, non-violence, purified heart, respect to women and reject superstition, liquor, gambling, bad companion to establish a humane society. Any hatred in the name of religions should be refused as Indian constitution treats all the faiths equally and makes us responsible, NBJK president has reminded.

Mr. Lalan Prasad has charged colonial mindset for communalism in India and appealed to correct this for national unity. Sardar Jaswant Singh has praised the very month of Ramadan for cleanliness of soul & body. We don't fight for religions rather we want supremacy, fulfill our vested interest while any religious faith is meant to uplift humanity only. Mr. swarup Chand Jain elaborated the idea of Live & Let Live as the real message of all religions.

Also Messrs Arjun Yadav, Bateshwar Mehta, Shamsher Alam, Abdul Mazid Ansari, Ghulam Zilani, Santosh Pandey have expressed their views in the symposium. Mr. Shankar Rana (Coordinator, Jharkhand State Lok Samiti) has conducted the dais and thanked all for their presence. Soon after Dawat-e-Iftar was participated by around 200 people including women and children. A similar event was organized at GP Sah Sadan, Dumka also on 21 June and many important members of Chamber of Commerce, Bar Association, bureaucracy, local community were present in the symposium-Iftar headed by Mr. Girija Satish.

कुसंग छोड़ विद्यालय में

सिर्फ 13 साल का अरुण कुमार दास, ग्राम-बसधरवा, पंचायत-लोकाइ, प्रखंड-कोडरमा सदर, जि०-कोडरमा (झारखण्ड) में श्री अशोक दास और श्रीमती माया देवी की तीन बेटियों के बीच एक बेटा है। अरुण अपने गांव के ही उत्कर्मित राजकीय मध्य विद्यालय में सातवीं कक्षा का छात्र है लेकिन इसे एक अनियमित, अनुशासनहीन और अनिश्चित व्यवहार वाले विद्यार्थी के रूप में ही जाना जाता था। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में न० भा० जा० केन्द्र संचालित एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम टीम द्वारा इस बच्चे का संज्ञान लिया गया और टीम सदस्यों ने इसकी स्कूली शिक्षा को व्यवस्थित करने का निर्णय लिया। जब वि० प्र० समिति सदस्यों ने छानबीन शुरू किया तो ऐसे अनेक कारणों का पता चला, जिनसे अरुण की पढ़ाई बाधित होती आ रही थी। यह पढ़ाई में कमजोर तो था ही, इसके अलावा कुसंग में पढ़कर सिगरेट-गुटखा आदि का स्वाद भी लेता था। पैसे के लोभ में यह अबरख की दिवरी चुनने भी जाता था। अरुण अनुसूचित जाति का गरीब बच्चा है और कुछ सहपाठी भी इसपर ताना कसते रहते थे। निश्चित रूप से यह एक कठिन मामला था लेकिन संस्था संचालित रेमेडिअल कोचिंग केन्द्र के शिक्षक श्री गुलाम बाकी ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने अरुण के माता-पिता से मिलकर स्कूल में इसकी उपस्थिति सुनिश्चित करवायी। अरुण की कई बार काउन्सलिंग हुई और इसे इसके पसंदीदा खेल क्रिकेट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके स्कूल में खेल सामग्री उपलब्ध करवायी गई। अरुण का नामांकन रेमेडिअल कोचिंग केन्द्र में करवाया गया ताकि इसे पढ़ाई में मदद और कुसंग से मुक्ति मिले। अब यह नियमित रूप से विद्यालय जाता है और इन उपायों से इस बालक में कुछ परिवर्तन तो अवश्य आया है।

केस स्टडी



Dropout Child Joins School

Master Arun or Arun Kumar Das (13 years) is only son among three daughters of Mr. Ashok Das and Mrs. Maya Devi at village Basdharwa of Lokai panchayat in Koderma sadar block of Koderma district, Jharkhand. Arun is a student of class VII in Upgraded Government Middle School at his village but he was an irregular, ill-disciplined and unpredictable student. During School Management Committee (SMC) meeting, Holistic Rural Development Program team has paid attention towards this boy and decided to support him for schooling. When SMC has made query, the members have identified a number of reasons behind Arun's absence from the school. He is a slow learner in study but tasted smoking, gutkha and other bad stuffs under peer pressure. Also he goes to pick Mica remanents in the area for money. Since he belongs to SC category and has a poor family background, some class fellows used to tease him. This was a tough case but Mr. Gulam Baki (Teacher, Remedial Coaching Center) has accepted the challenge. He met the parents and convinced them to ensure their ward's presence in the school. There were counseling sessions for Arun and he was encouraged to play cricket as he likes forever. His school was provided new sports kit and he has been enrolled at RCC also for extra academic support as well as to shun bad company. Now Arun enjoys his school as these measures have made some differences indeed.

CASE STUDY

परिकल्पना : श्री गिरिजा सतीश

प्रस्तुति : विनय भट्ट

नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय

ग्राम - अमृतनगर, पो. कोर्दा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।

दूरभाष: +91 8809672146, +91 9835751159

ई मेल: nbjko@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com